भारत भर में तीर्थस्थलों का विकास किया जाना चाहिए

अयोध्या में हाल ही में हुए राम मंदिर के उद्घाटन ने भारतीय तीर्थ पर्यटन के क्षेत्र में एक नया दृष्टिकोण स्थापित कर दिया है। इस अवसर ने दिखा दिया है कि अयोध्या जैसे छोटे से नगर को कैसे प्रमुख तीर्थ स्थल में बदला जा सकता है। भारत के पास हमेशा से ही धार्मिक पर्यटन की गुंजाइश रही है, लेकिन इस ओर अधिक ध्यान नहीं दिया गया है। अयोध्या के पुनर्निर्माण को मॉडल बनाकर अन्य धार्मिक स्थलों का कायाकल्प किया जा सकता है।

कुछ बिंदु -

- अयोध्या में हवाईअड्डे का त्वरित निर्माण किया जाना। चमचमाते रेल्वे स्टेशन का पुनर्निर्माण और हर प्रकार के होटलों की व्यवस्था की गई है।
- इस हेतु 85,000 करोड़ रुपयों का निवेश किया गया है।
- विश्वस्तरीय सुविधाओं के कारण ही आज वेटिकन सिटी, मक्का और काबा में पर्यटकों को आकर्षित किया जा रहा है।
- भारत में 60% से अधिक पर्यटन स्थल धार्मिक हैं। 2022 में 10 लाख से अधिक लोगों ने इन स्थानों का भ्रमण किया है।

भारत के समृद्ध पर्यटकों को भी धार्मिक पर्यटन के लिए आकर्षित करने का यही तरीका है कि बुनियादी ढांचे में अच्छा निवेश किया जाए। इसके साथ ही हम दुनिया भर के पर्यटकों को इस ओर आकर्षित कर सकेंगे।

'द इकॉनॉमिक टाइम्स' में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित। 11 जनवरी, 2024